सास बहू की चूत चुदी और ननद की गांड

“पोर्न फॅमिली की चुदाई कहानी में ननद ने सुहागरात को ही अपनी दुल्हन भाभी को एक गैर लंड से चुदवा दिया. सास ने भी अपनी दुल्हन बहू को गैर मर्द का लंड खाते देखा. …”

Story By: रेहाना खान (reahana)
Posted: Wednesday, September 6th, 2023
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: सास बहू की चूत चुदी और ननद की गांड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सास बहू की चूत चुदी और ननद की गांड

पोर्न फॅमिली की चुदाई कहानी में ननद ने सुहागरात को ही अपनी दुल्हन भाभी को एक गैर लंड से चुदवा दिया. सास ने भी अपनी दुल्हन बहू को गैर मर्द का लंड खाते देखा.

मेरी बुर चोदी ननद इतनी बेशरम और बेहया है कि उसने मेरी सुहागरात के पहले ही मुझसे पूछ लिया- भाभी जान, तुमको किस तरह का लण्ड पसंद है ?
मैंने भी बड़ी बेशर्मी से जबाब दिया- मुझे तो सख्त और मोटा लण्ड पसंद है। मगर यह सब तुम क्यों पूछ रही हो यार ?
वह बोली- भाभी जान, तेरी सुहागरात की जिम्मेदारी मुझ पर है। मैं चाहती हूँ कि तुम अपनी सुहागरात में खूब जम कर चुदवाओ और पूरा मज़ा लो। मैं आज तुम्हारी चूत फड़वाना चाहती हूँ भाभी जान !

मैंने पूछा- अच्छा अगर मेरे शौहर का लण्ड मेरे मन का न हुआ तो तुम क्या करोगी ?
वह बोली- तब मैं तेरे मन का लण्ड अपने हाथ से तेरी बुर में पेलूँगी। मैं तुझे हर हाल में तेरी सुहागरात में खुश करूँगी, चाहे मुझे दो तीन लण्ड और पेलने पड़ें तेरी चूत में भाभी जान !

मैंने कहा- इतनी परेशान क्यों हो रही हो ननद रानी ?
वह बोली- अगर तेरी सास को मालूम हो गया कि तू अपनी सुहागरात में अच्छी तरह नहीं चुदी तो वह भोसड़ी वाली मेरी गांड में दम कर देगी। वह हर हाल में अपनी बहू को उसके मन माफिक लण्ड से चुदवाना चाहती है।

मैं उसकी बात सुन कर बड़ी गदगद हो गयी।
मेरी चूत गीली हो गई।

मेरा नाम रेहाना है दोस्तो, मैं अभी अभी अपनी शादी के बाद ससुराल आई हूँ.
यह पोर्न फॅमिली की चुदाई कहानी मेरे ससुराल वाले घर की है.

सबसे पहले मेरी मुलाक़ात मेरी ननद से हो रही है।
उसका नाम रेशमा है और वह बड़ी खूबसूरत और बिंदास लड़की है।

मैं अपनी सास और ननद को अच्छी तरह से जानती हूँ क्योंकि मेरी शादी कही बाहर नहीं अपने चचाजान के बेटे से ही हुई है।
मेरा शौहर जावेद मियां मेरा चचेरा भाईजान है।

कल वह मेरा भाईजान था आज वह मेरा शौहर हो गया है।
रेशमा कल मेरी चचेरी बहन थी आज मेरी ननद हो गयी है बुर चोदी!
और मेरी चचीजान मेरी सास हो गई और मेरा चचा जान मेरा ससुर।

वैसे तो मैं चचाजान के फॅमिली के कई लोगों के लण्ड पहचानती हूँ और कई औरतों की चूत भी देख चुकी हूँ पर यह इत्तिफाक है कि न मैंने अपने शौहर का लण्ड पहले कभी देखा और न ननद की चूत।
सास का भोसड़ा जरूर देख चुकी हूँ जब वह एक दिन मेरे अब्बू जान से भकाभक चुदवा रही थी।

मेरा अब्बू खूब मस्ती से मेरी चची जान की चूत ले रहा था।
क्या मस्त लौड़ा है मेरे अब्बू जान का!
दोस्तो, तब क्या मालूम था मुझे कि मेरी चची जान एक दिन मेरी सास बन जाएगी.

यह बात सच है दोस्तो कि मैं अपनी शादी के पहले खूब चुदी हुई थी।
इसकी जानकारी मेरी सास को भी थी और मेरी ननद को भी।

मेरा शौहर जावेद दुबई में अपने मामू जान के साथ रहता है।
अगर वह यहाँ रहता होता तो शायद मैं अब तक उससे भी चुद चुकी होती।

मैं अपनी सुहागरात की सेज पर सजी धजी बैठी हुई थी और अपने शौहर के आने का इंतज़ार कर रही थी.
साथ ही साथ अल्ला से दुआ कर रही थी कि उसका लण्ड मोटा तगड़ा हो और मेरे मन का हो.

वह जब अंदर आया तो मेरे दिल की धड़कन बढ़ने लगी।
मैं सोचने लगी कि अब क्या होगा ? कैसा होगा उसका लण्ड ? और वह मेरे साथ कैसा व्यवहार करेगा ?

वैसे देखने में वह बड़ा स्मार्ट और हैंडसम है।

सारी रस्में निभाने के बाद उसने मुझे अपनी बाँहों में भर लिया।
मैं भी प्यार से उसके बदन से चिपक गयी।

धीरे धीरे उसने मेरे कपड़े उतारे तो मैंने भी उसके कपड़े उतारे।

मेरे जब बड़े बड़े मम्मे खुले तो वह बोला- क्या मस्त बूब्स हैं तेरे बीवी जान। मज़ा आ गया।
उसने मेरी चुम्मियाँ लीं, मेरे बूब्स चूमे निप्पलों को सहलाया, चूसा और फिर मेरे पूरे नंगे बदन पर हाथ फिराया।

तब तक मैंने भी उसे नंगा कर दिया।
मुझे तो मर्दों को नंगा करने की आदत थी।

मेरा हाथ जब उसके लण्ड पर गया तो मैंने खुदा का शुक्रिया अदा किया।
लण्ड वाकई बड़ा मोटा तगड़ा था और मेरे मन का था।

मेरी खुशी ठिकाना न रहा, मैं लण्ड से खेलने लगी और मस्ती करने लगी।

एकदम चिकना बिना झांट का लण्ड मेरे दिल में समा गया।
मेरी चूत एकदम से गीली हो गयी।

उसके बाद उसने मेरी चूत की खूब अच्छी तरह ठुकाई की ; खूब हचक हचक के चोदा मुझे ;
पूरा का पूरा लण्ड पेल पेल के चोदा।

मैंने भी चुदाई में पूरा साथ दिया और उसके हर झटके का जबाब झटके से दिया।
मजे से मैंने दिल खोल कर चुदवाया।

फिर मैं भी खलास हो गयी और वह भी!
इस तरह वह मुझे चोद कर बाहर चला गया।

उसके बाद मेरी ननद आ गयी, बोली- भाभी जान सुहागरात की पहली चुदाई में मज़ा आया?
मैंने खुशी ज़ाहिर की और कहा- हां यार, मुझे खूब मज़ा आया उससे चुदवाकर! बहुत अच्छा लगा मुझे! उसने मुझे हर तरफ से चोदा। मैं पहले खलास हो गई और वह बाद में! मैं तो मस्त हो गई उससे चुदवाकर लेकिन …

उसने कहा- लेकिन का क्या मतलब भाभी जान? खुल कर बताओ न प्लीज!
मैंने कहा- मेरा मन नहीं भरा यार रेशमा, मैं तो अभी और चुदवाना चाहती थी अपने शौहर से … पर वह चला गया। दुबारा तिबारा चुदवाना चाहती थी मैं!
ननद बोली- अच्छा, तो इसका मतलब तुम अभी चुदासी हो भाभी जान. ठीक है, मैं कुछ

इंतज़ाम करती हूँ।

इतने में मेरी ननद ने आवाज़ लगाई.
तो शम्मी नाम का एक लड़का एकदम नंगे बदन लुंगी पहने हुए कमरे में आ गया।
उसे देख कर मेरा चेहरा खिल उठा।

मेरी ननद तो उसकी लुंगी में हाथ डाल कर उसका लण्ड सहलाने लगी।
फिर एकदम से उसकी लुंगी खींच ली तो वह नंगा हो गया।

मैं उसका लण्ड देख कर हक्का बक्का रह गई।
मेरी ननद ने मेरा हाथ पकड़ कर लण्ड पर रख दिया और बोली- लो संभालो अपने इस नए लण्ड को भाभी जान … अब यह तुम्हें चोदेगा। इसके लण्ड का पूरा मज़ा ले लो भाभी जान ! मैं जा रही हूँ अपने देवर से चुदवाने।

वह ऐसा कह कर चली गयी।

मैंने शम्मी का लण्ड पकड़ा उसे हिलाया और चूमा, फिर बोली- तेरा लण्ड तो बहुत बड़ा है शम्मी !
वह बोला- हां भाभी जान, मेरा लण्ड 7″ का है, मेरे बाप का लण्ड भी 8″ का है. मेरा बाप मलेशिया का है। मेरी माँ ने मलेशियन से शादी की थी तब मैं पैदा हुआ।

फिर मैंने खूब मजे से शम्मी के लण्ड का मज़ा लिया और खूब घपाघप चुदवाया और सवेरे उठ कर फिर चुदवाया।
इस बीच उसने तीन बार पेला लण्ड मेरी चूत में !
मैं रंडी की तरह रात भर उससे चुदती रही।

वह भी मुझे गपागप चोदता रहा।

इसीलिए मैं सवेरे 10 बजे तक नंगी नंगी सोती रही।

मैं जब उठी तो मेरी ननद आ गई।
मैंने उसे देखते ही कहा- यार, क्या गज़ब का लौड़ा है शम्मी का … उसके लण्ड ने मेरी चूत के चीथड़े उड़ा दिये।
वह बोली- अरे भाभीजान, वह तो तेरी सास का भी भोसड़ा फाड़ डालता है। मेरी भी चूत का बाजा बजाता है।

उसने बताया- भाभी जान, तेरी सास तुमको दो बार देख कर लौट गई। पहली बार जब तुम शम्मी से झमाझम चुदवा रही थीं और दूसरी बार जब तुम नंगी लेटी हुई सो रही थीं।
मैंने कहा- हाय दईया, मेरी सास ने मुझे ग़ैर मर्द से चुदवाते हुए देख लिया ? अब क्या होगा ?

वह बोली- कुछ नहीं होगा भाभी जान ! वह तो अभी किसी और का लण्ड पेल देगी तेरी चूत में ! वह तो खुद अपनी बेटी बहू को गैर मर्दों से चुदवाना चाहती है। अपनी बेटी बहू की चूत में लण्ड पेलवाना चाहती है। वह तो सामूहिक चुदाई की बड़ी शौक़ीन है भाभीजान !

यह सुनकर मैं सच में खुशी से झूम उठी।

मैंने पूछा- ये शम्मी बहनचोद है कौन जिसने मुझे मेरी सुहागरात में चोदा ?
वह बोली- शम्मी मेरी एक सहेली का भाई है। एक दिन जब मैं उसका लण्ड नंगी होकर चूस रही थी तो मेरी अम्मी ने मुझे लण्ड चूसते हुए देख लिया था. तो वह भी कपड़े उतार कर मेरे साथ लण्ड चूसने लगी। फिर हम दोनों माँ बेटी शम्मी का लण्ड चूसने लगी। तब से अम्मी बन गई मेरी पक्की सहेली। मेरी अम्मीजान यानि तेरी सास बड़ी चुदक्कड़ है भाभी … उसे ग़ैर मर्दों से चुदवाने का बड़ा शौक है।

मैंने कहा- हां मैं जानती हूँ। वह तो मेरे अब्बू का भी लण्ड लेती है अपनी चूत में!

हम दोनों ननद भाभी ये सब बातें कर ही रहीं थीं कि मेरी सास आ गई।
आते ही सास बोली- कैसी रही तेरी सुहागरात बहू रानी? कोई कमी तो नहीं थी। तुझे चुदाई में मज़ा आया या नहीं? कितने लण्ड पेलवाये तेरी ननद ने तेरी चूत में?
मैंने कहा- बाप रे बाप … इतने सारे सवाल एक ही सांस में! मैं तो खूब मजे से चुदी अपनी सुहागरात में! लण्ड तो दो ही पेलवाये मेरी ननद ने मेरी चूत में! मगर एक लण्ड ही बहनचोद 2 लण्ड के बराबर था जिसने मुझे रात भर चोदा।

वह बोली- किसका था वह लण्ड रेहाना?
मैंने कहा- कोई शम्मी का लण्ड था सासू जी।

वह बोली- हाय दईया, उसका लौड़ा तो बड़ा हक्कानी है बहू! उसने तो तेरी बुर फाड़ डाली होगी रेहाना?

मैंने कहा- अरे सासू जी, उसके ऐसे 2/3 लण्ड मिलकर भी मेरी बुर नहीं फाड़ सकते. वह साला खुद ही झड़ गया. मेरी तो चूत ही नहीं ढीली कर पाया वह। दूसरी पारी में जरूर फाड़ दी मेरी बुर!
मेरी बात पर सबने खूब ठहाका लगाया।

उसके बाद सब मेहमानों का वापस जाना शुरू हो गया।
मेरा शौहर भी दुबई चला गया।

अब घर में केवल मैं, मेरी सास और मेरी ननद बचीं।
हम तीनों मिलजुल कर रहने लगीं और मज़ा करने लगीं।

एक बार मेरे मन में आया कि क्यों न एक ही लण्ड से सास का भोसड़ा चोदा जाए और ननद

की गांड मारी जाए।

मुझे ननद की गांड बड़ी सेक्सी लग रही थी, मेरा मन था कि मैं लण्ड अपने हाथ से इसकी गांड में ठोक दूँ।
बस मैंने अपनी खाला के बेटे असित को बुला लिया।

वह 22 साल का है मगर उसका लौड़ा बड़ा गज़ब का है.
उधर मेरी सास भी सोचने लगी कि मैं अपनी बेटी के साथ चुदाई का मज़ा तो लेती ही हूँ।
अब क्यों न बहू के साथ भी चुदाई का मज़ा लूटूँ ? क्यों न बहू और बेटी की चूत में अदल बदल कर लण्ड पेलूं. बड़ा मज़ा आएगा दोनों की चुदती हुई बुर देखने में !

उसने अपने गाँव वाले देवर आसिफ को बुला लिया।

अब इधर ननद भी कुछ ऐसा ही सोच रही थी कि मैं कोई मस्ताना लण्ड अपनी अम्मी जान के भोसड़ा में भी पेलूं और फिर उसे भाभी जान की चूत में भी !
उसने फोन करके अपने ससुर अल्ताफ को बुला लिया।
वह अपने ससुर से चुदवा चुकी थी और उसके लण्ड की गुलाम हो चुकी थी ; उसे अपने ससुर के लण्ड पर बड़ा गुमान था।
अपने ससुर का लण्ड वह हम दोनों की चूत में पेलना चाहती थी।

अब हम तीनों एक दूसरे की बुर चुदवाने के लिए एकदम तैयार थीं।
फिर क्या ? एक एक करके तीनों लोग आ गए।

मेरी खाला का बेटा असित आ गया, सास का देवर आसिफ भी आ गया और ननद का ससुर अल्ताफ भी आ गया।

तीनों मर्द लगभग एक दूसरे को जानते थे।

सबकी मुलाकात सबसे थी इसलिए कोई लाज शर्म का सवाल ही नहीं उठता.

वैसे ऐसा देखा गया है कि मर्द एक दूसरे से शर्माते हैं पर हमारे यहाँ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मर्द सब भोसड़ी वाले किसी के भी सामने लण्ड खोल कर किसी भी चूत में पेल देते हैं और चोदने लगते हैं।
एक चूत से लण्ड निकाल कर दूसरी चूत में पेल देते हैं।
हमारे यहाँ मर्द सब के सब चुदाई करने में बड़े बेशर्म होते हैं।

रात के 11 बज चुके थे।
ज़मीन पर एक बड़ा सा बिस्तर लगा था। चारों तरफ गद्दे बिछे थे तकिया मसनद सब लगे हुए थे।
चुदाई का सारा सामान एक जगह रखा हुआ था।

हम तीनों सास, बहू और ननद बिस्तर पर आ गईं थीं।
मर्द भी लुंगी लपेटे हुए आकर बैठ गए।

धीमी धीमी लाइट जल रही थी।
बातें होने लगीं।

हम तीनों अपने अपने जुगाड़ में लगी थीं कि कैसे दूसरी की चूत में लण्ड पेला जाए!
इसी बीच सास ने अपने देवर की लुंगी में हाथ डाल दिया।

मैं भी असित की लुंगी में हाथ घुसेड़ कर उसका लण्ड सहलाने लगी.
ननद ने भी अपने ससुर की लुंगी में हाथ घुसाया और मुस्कारते लण्ड आहिस्ते आहिस्ते सहलाने लगी।

हमारी मंशा सबको ज़ाहिर हो गयी। सबको अहसास हो गया कि आज खुल्लम खुल्ला

सबकी चुदाई सबके लण्ड से होने वाली है।
लण्ड तो तीनों लुंगी के अंदर खड़े हो चुके थे।
सबके ज़हन में सेक्स ही सेक्स भरा हुआ था। मर्द साले औरतों को नंगी देखने के लिए बेचैन हो रहे थे और हम तीनों बीवियां सबके लण्ड देखने के लिए बेताब हो रही थीं।

पराये मर्दों के लण्ड देखने और पकड़ने के लिए कौन भोसड़ी वाली बीवी बेताब नहीं होती ?

फिर एकदम से हम तीनों ने सबकी लुंगी खोल फेंक दी तो तीनों लण्ड नंगे होकर टनटनाने लगे।
तब तक हम तीनों भी नंगी हो चुकी थीं।

रात का समय था और रात में हमारे यहाँ सभी बीवियां बहू बेटियां एकदम रंडी हो जाती हैं।

मैंने असित का लण्ड ननद को पकड़ा दिया, ननद ने अपने ससुर का लण्ड सास को पकड़ा दिया और सास ने अपने देवर का लण्ड मुझे पकड़ा दिया।

मेरी सास तो 44 साल की बड़ी मस्त जवान औरत थी, उसके बड़े बड़े मम्मे एकदम तने हुए थे। पेट अंदर था जांघें मोटी थीं, कूल्हे थोड़ा बड़े थे और चूतड़ भी बड़े बड़े.
वह गोरी चिट्टी एकदम ज़न्नत की हूर लग रही थी बुरचोदी।

सास तो ननद की अम्मी नहीं, बड़ी बहन लग रही थी।
उधर ननद भी बुर चोदी बड़ी गज़ब की खूबसूरत थी उसे नंगी देखकर तो लड़कों के लण्ड बिना सड़का मारे ही झड़ जाते हैं।

मैं फिर अपने चचिया ससुर आसिफ का लण्ड चाटने लगी.
मेरे बगल में मेरी सास अपनी बेटी के ससुर का लण्ड नंगी होकर चाटने लगी.

और मेरी ननद मेरे सामने मेरे भाई जान यानि असित का लण्ड चाटने लगी।

हम तीनों एक एक जबरदस्त लण्ड मिल गया तो हमारे तो मजे हो गए।
यह पहला मौक़ा था जब हम तीनों एक साथ नंगी पराये मर्दों के लण्ड चाट रहीं थीं।

आसिफ मेरी चूत चाटने में जुट गया, मेरी चूचियां मसलने में जुट गया, मेरी नंगे जिस्म से खेलने लगा।
वह बोला- शबाना भाभी, (मेरी सास का नाम) इतनी खूबसूरत बहू मुझे कभी नहीं मिली चोदने को! मेरी बहू भी इतनी खूबसूरत नहीं है जितनी तेरी बहू खूबसूरत है। आज मैं लण्ड पेल पेल कर इसकी चूत का मज़ा लूंगा.

उधर मेरा मौसेरा भाई असित तो मेरी ननद का पूरा नंगा जिस्म ही चाटने में जुटा था।
मैंने देखा कि वह ननद की गांड भी मस्ती से चाट रहा है।
वह तो गांड का शौक़ीन है, अभी वह लण्ड ननद की गांड में ठोक भी देगा।

मेरी सास तो अपनी बेटी के ससुर के लण्ड पाकर समझने लगी कि उसे कोई बहुत बड़ा खजाना मिल गया है।
उसका मोटा तगड़ा लण्ड मेरी सास को बहुत भा गया।
वह तो भूखी बिल्ली की तरह लण्ड और पेल्हड़ चाटने में जुट गई।

सास मस्ती में बोली- बेटी रेशमा, तू बहन चोद बहुत बड़ी बेशर्म है. तेरी माँ का भोसड़ा … तूने बहुत बढ़िया लण्ड दिया है मुझे!
ननद बोली- हाय दईया अम्मी जान, तेरी बहू की चूत … उसने भी मुझे बड़ा मस्त लौड़ा पकड़ाया है।

मैंने कहा- हाय मेरी सासू जी, तू बुरचोदी बहुत बड़ी रंडी है. तू लण्ड पेल पेल अपनी बेटी

बहू की चूत बड़ी मस्ती से चुदवाती है. खुदा करे सबकी सास ऐसी ही हो. तूने अपने देवर का हक्कानी लण्ड मुझे पकड़ा दिया है। आज मैं इसे भून डालूंगी अपनी चूत डाल कर!

इतने में असित ने उधर अपना लण्ड ननद की गांड में ठोक दिया।
ननद चिल्ला पड़ी- उई माँ मर गयी मैं … इतना मोटा लण्ड इसने मेरी गांड में पेल दिया। मैंने गांड पहले कभी नहीं मरवाई। हाय रे, बड़ा दर्द हो रहा है भाभी जान! फट गयी मेरी गांड. अब क्या होगा? कौन सिलेगा मेरी गांड अम्मी जान? मैं तो पीछे से अपनी चूत चुदवाने वाली थी इसीलिए घोड़ी बन गई। मुझे क्या मालूम था कि यह मादरचोद लण्ड मेरी गांड में पेल देगा?

सास बोली- बुरचोदी रेशमा, चिल्लाना बंद कर और ठीक से मरवा ले अपनी गांड! अभी तो तेरी चूत भी चोदी जाएगी. अभी तो तेरी माँ का भोसड़ा भी चुदेगा. कब तक तू चिल्लायेगी भोसड़ी वाली? लण्ड का मज़ा हर तरफ से ले। तू तो पहले से ही खूब चुदी हुई है।

तब तक उसके ससुर ने लण्ड सास के भोसड़े में पेल दिया।
सास के मुंह से उफ़ निकला और फिर वह मटक मटक कर घपाघप चुदवाने लगी।

इधर आसिफ ने लण्ड पूरा मेरी चूत में घुसा दिया तो मैं भी मजे से चुदने लगी।
मैं तो चुदी हुई थी तो मुझे तो कोई फर्क ही नहीं पड़ा।
लेकिन हां एक नया मज़ा मिलने लगा, हर एक लण्ड अपना नया मज़ा देता है।

इस तरह हम तीनों खूब एक दूसरे को देख देख कर चुदाई का आनंद लेने लगीं।

सास बहू की चूत चुद रही थी और ननद की गांड … बड़ा मज़ा आ रहा था। सास बहू और ननद की चुदाई जब एक साथ होती है तो उसका मज़ा कुछ और ही होता है।

पूरा घर पोर्न फॅमिली की चुदाई की आवाज़ से गूंजने लगा और चुदाई की महक से महकने

लगा।
मुझे तो ऐसी महक, ऐसी आवाज़ बड़ी मन मोहक लगती है.

दूसरी पारी में ननद के ससुर ने लण्ड पेल दिया मेरी चूत में, मेरे भाई जान असित ने अपना लण्ड सास के भोसड़े में उतार दिया और ननद ने अपने चचाजान का लण्ड पकड़ कर अपनी चूत में पेलवा लिया।
हम तीनों एक बार फिर भच्च भच्च, फच्च फच्च, गच्छ गच्च चुदवाने लगीं।

इस बार ननद की बुर खूब अच्छी तरह चोदी गयी।

सास ने अपनी बेटी बहू की बुर चुदवाकर अपनी तमन्ना पूरी की।
मैंने भी अपनी सास ननद की बुर में लण्ड पेल पेल कर पूरा मज़ा लूटा और ननद ने भी लण्ड अपनी अम्मी और भाभी जान की चूत में घुसा घुसा कर अपनी इच्छा पूरी की।

जब चोदने और चुदाने का जोश उछाल मारता है तो फिर इसी तरह की सामूहिक चुदाई होती है।
आपको यह पोर्न फॅमिली की चुदाई कहानी कैसी लगी ?
reahana1008@gmail.com

मेरी पिछली कहानी थी : कॉलेज के लड़कों के साथ श्रीसम की मस्त चुदाई

Other stories you may be interested in

हिमाचली लड़कियों की दमन में सेक्स भरी मस्ती- 2

Xxx होटल बॉय सेक्स कहानी में मैंने एक सस्ते होटल के कमरे में होटल के एक कर्मचारी लड़के के साथ सेक्स करके अपनी चूत की प्यास बुझाई. दोस्तो, मैं मोनिका मान आपको अपनी बहन के साथ हुई एक यात्रा के […]
Full Story >>>

भाबी की भावज की जबरदस्त चुदाई

न्यू हिंदी Xxx भाभी कहानी में मेरी भाभी की भाभी ने मेरे लंड का मजा लिया. मेरी भाभी बीमार हुई तो तो उनकी भाभी उनकी देखभाल के लिए आई थी. उन्होंने पहल करके सेक्स का मजा लिया. हाय दोस्तो, मेरा […]
Full Story >>>

हिमाचली लड़कियों की दमन में सेक्स भरी मस्ती- 1

हॉट गर्ल्स ट्रेन चुदाई कहानी में पढ़ें कि मैं अपनी बहन के साथ रेल में जयपुर से दमन जा रही थी घूमने. हम दोनों बहनों को चुदाई का चस्का है. हम कोई लंड की तलाश में थी. यह कहानी सुनें. […]
Full Story >>>

मेरी चुदक्कड़ अम्मी ने लगा दिया मुझे लण्ड का चस्का

नंगी लड़की की पहली चुदाई कहानी में जवान लड़की को उसकी सगी अम्मी ने अपने आशिक के लंड से अपने सामने चुदवा दिया. लड़की को भी चुदाई की जरूरत लगने लगी थी. यह कहानी सुनें. मेरा नाम मुस्कान है दोस्तो, […]
Full Story >>>

मेरी दूसरी चुदाई भाई के साथ

ब्रदर सिस्टर गांड फक कहानी में पढ़ें कि मेरा भाई हॉस्टल से घर आया तो रात को हम दोनों छत पर एक साथ सोये. भाई ने मेरे बॉयफ्रेंड के साथ मेरी चैट देख ली. वह मुझे वासना की नजर से […]
Full Story >>>